खेत की ओर

रामेश्वरलाल खण्डेलवाल

रूखे केश, ओढ़नी मैली
ग्रामीणा जा रही खेत पर,
उन्मन-उन्मन धीमे - धीमे
चरण-चिह्न छोड़ती रेत पर ।

हाथों में हाँडी मट्ठे की,
सिर पर धरी पोटली मैली,
अनायास बढ़ते जाते पग,
मन में है चल रही पहेली ।

वहाँ खेत में डाल कहीं हल,
जीर्ण हड्डियों का वह ढाँचा,
रूखे-सूखे दो टुकड़ों की,
करता होगा बैठ प्रतीक्षा ।

फटे बिवाई-वाले सूखे,
पाँवों ने कितना पथ नापा,
चिर अभाव में गई जवानी,
असमय ही आ गया बुढ़ापा ।

उदर–पूर्तिहित, ऋण में घर का –
हाय बिक गया केश–केश है,
तन ढँकने को वस्त्र न पूरा–
इस सीता के पास शेष है ।

दो क्षण ठहर गई सुस्ताने,
वह बबूल के तरु के नीचे ।
मानव को विश्राम कहाँ, रे,
कुत्ता सोया आँखें मींचे ।

लू चलती है, धूप कड़ी है,
काया से कुछ मोह नहीं है ।
जीवन से अनुराग नहीं अब,
अन्यायी से द्रोह नहीं है ।

सह जीवन की लू के झोंके–
झुलस गई कुन्दन–सी काया,
जीवन का है ताप बहुत ! रे,
क्या दो पल बबूल की छाया ।

शब्द–अर्थ:

ग्रामीणा– गाँव की नारी, उन्मन – अनमना, अनायास– अचानक, जीर्ण– टूटाफूटा, ढाँचा– पिंजर, प्रतीक्षा– इंतजार, चिर– हमेशा, कुन्दन–सोना, उदर– पेट, पूर्त्तिहित – भरने के लिए, ऋण–कर्ज, सीता– मिट्टी की औरत, सुस्ताने – विश्राम करने, काया – शरीर, अनुराग – प्रेम, द्रोह – विद्रोह, बगावत ।

भाव बोध और विचार :

(१) मौखिक :

(1) 'खेत की ओर' कविता को याद करके कक्षा में आवृत्ति कीजिए ।

(2) ऐसे ही कुछ और कविताओं को चुनिए जिसमें खेत का वर्णन हो । उसे कक्षा में पढ़कर सुनाइए ।

(3) इस कविता में कवि के मन में किसान के प्रति कैसे भाव हैं ?

(२) लिखित :

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(1) कवि 'खेत की ओर' कविता के माध्यम से क्या कहना चाहता है ?

(2) एक किसान और उसकी पत्नी को क्या-क्या कष्ट उठाना पड़ता है ?

(3) किसान खेत में किसकी प्रतीक्षा करता है ?

(4) किसान के जीवन में असमय बुढ़ापा क्यों आ जाता है ?

(5) इन पंक्तियों के अर्थ समझाइए :

(क) जीवन से अनुराग नहीं अब, अन्यायी से द्रोह नहीं है

(ख) यह जीवन की लू के झोंके-झूलस गई कुन्दन सी काया

(ग) चिर अभाव में गई जवानी, असमय ही आ गया बुढ़ापा

(घ) उदर पूर्ति हित, ऋण में घर का-हाल बिक गया केश-केश है ।

(३) भाषा बोध :

इस प्रकार के शब्द लिखिए :

जैसे : हवेली - पहेली

मैली - थैली

पोटली -

हल -

प्रतीक्षा –

अभाव –

बुढ़ापा –

मोह –

कड़ी –

काया –

(४). इन पक्तियों को सही शब्द लगाकर पूरा कीजिए :

(क) जीवन से ..... नहीं अब

..... से .....नहीं है

(ख) फटे ..... सूखे

पावों ने कितना .....

(ग) वहाँ खेत में .....

..... का वह ढाँचा।

(घ) ..... ही बढ़ते जाते पग,

मन में है चल ..... ।

(ङ) ..... मैली

ग्रामीणा जा रही .....,

(च) .....धीमे-धीमे

..... छोड़ती रेत पर ।

(छ) दो क्षण ठहर गई .....

वह ..... की ..... नीचे।

(ग) इस कविता में से पाँच क्रिया पदों को छाँट कर लिखिए :

जैसे : जा रही, छोड़ती

(घ) पाँच भाववाचक संज्ञाएँ लिखिए :

जैसे : बुढ़ापा

जवानी

(ङ) 'क' स्तंभ के साथ 'ख' स्तंभ के शब्दों को मिलाइए :

	''क'	**'ख'**
जैसे :	बबूल	काया
	कुन्दन	किसान
	अभाव	धूप
	अन्यायी	हल
	लू	मैली
	खेत	द्रोह
	रूखे	छाया
	ओढ़नी	केश
	चरण चिह्न	रेत
	हाँडी	मट्ठा

(च) विशेषण : जिस पद से संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता का बोध हो, उसे 'विशेषण' कहते हैं ।

विशेष्य : विशेषण जिसकी विशेषता बताता है, उसे 'विशेष्य' कहते हैं । **जैसे-** घोड़ा काला है ।'' यह घोड़ा – विशेष्य, काला – विशेषण ।

विशेषण के मुख्यतः चार भेद है :

i. गुणवाचक विशेषण – नीला, पीला, सुंदर आदि

ii. परिमाणवाचक विशेषण– चार किलो, लीटर, बहुत, थोड़ा आदि

iii. संख्यावाचक विशेषण – एक, चार, पहला, दूसरा आदि ।

iv. सार्वनामिक विशेषण– यह, वह, इस, उस आदि ।